विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 24 से 30 जुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 09 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN 43881

क्या है उपराष्ट्रपति के इस्तीफे का राज

विपक्ष को इसमें भी लग रहा है गोलमाल, जगदीप धनखड़ ने सामान पैक करना शुरू किया

विदर्भ स्वाभिमान,23 जुलाई

नई दिल्ली-उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर सभी को चौंकाने वाले जगदीप धनखड़ ने अपने सामान को पैक करना शुरू कर दिया है और वे जल्द ही उपराष्ट्रपति एन्क्लेव से बाहर जाने की तैयारी कर रहे हैं. सूत्रों ने यह जानकारी दी. इस बीच विपक्ष को भी जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर गड़बड़ी और कुछ बड़ा गोलमाल नजर आ रहा है. उन्होंने अचानक यह कदम क्यों उठाया, क्या इसके पीछे सचमुच स्वास्थ्य कारण है अथवा केन्द्र सरकार की किसी नाराजी को लेकर यह स्थिति पैदा हुई है, इसको लेकर गलियारे में मजेदार चर्चाएं की जा रही हैं. कुछ दिनों से विपक्ष से उनकी करीबी तो कारण

नहीं है, ऐसा भी सवाल किया जा रहा है.

एक पूर्व उपराष्ट्रपति के नाते धनखड़ को एक सरकारी बंगला अलॉट होगा. धनखड़ पिछले साल अप्रैल में ही संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड पर बने नए उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में स्थानांतरित किए गए थे.

टाइप-8 बंगला देने का प्लान

उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में ही उपराष्ट्रपति का निवास और कार्यालय है. इसे केंद्रीय विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत बनाया गया था. उन्होंने लगभग 15 महीनों तक उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में निवास किया.अब उन्हें लुटियंस दिल्ली या किसी अन्य क्षेत्र में एक टाइप-8 बंगला प्रदान किया जाएगा. बता दें कि धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया. उनके अचानक इस्तीफे पर विपक्षी नेताओं ने भी हैरत जताई है और इसके पीछे कुछ अलग वजह होने की दबी जुबान चर्चा राजनीतिक गलियारों में की जा रही है. जिस तरह से बिना किसी चर्चा और स्वास्थ्य कारणों को लेकर उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया और फटाफट स्वीकार किया गया, उसको लेकर विपक्षी दलों के कान खड़े हो गए और कारण ढूंढ रहे हैं.

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बनी सत्ता पक्ष तथा विपक्ष में समझदार सहमति

विदर्भ स्वाभिमान,23 जुलाई

नई दिल्ली-बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग को लेकर भले ही संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा जारी है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर दोनों सदनों में चर्चा को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति बन गई है. यह चर्चा अगले सप्ताह होगी.यदि कोई व्यवधान नहीं आया तो लोकसभा में 28 जुलाई यानी सोमवार से और राज्यसभा में 29 जुलाई यानी मंगलवार से इस पर चर्चा शुरू हो सकती है. दोनों सदनों में इस पर 16-16 घंटे की चर्चा कराने को लेकर सहमति बनी है.

ऑपरेशन सिंदूर व पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा के लिए विपक्ष की ओर से मांग उठाने के पहले दिन ही सरकार इसके लिए तैयार हो गई थी. हालांकि, इसके बाद विपक्ष की ओर से बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा दिए जाने से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए दिन व समय नहीं निर्धारित हो पाया.

हालांकि, दोनों सदनों की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में इसे अंतिम रूप दिया गया है. राज्यसभा की बुधवार को हुई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में इस पर सहमति बनी है. यह बात अलग है कि विपक्ष की ओर से इस चर्चा में पीएम की मौजूदगी और उनके बोलने की मांग की जा रही है. हालांकि बैठक में सत्ता पक्ष ने इसको लेकर कोई आश्वासन नहीं दिया है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

खुशी,ज्ञान और प्रेम यह दूसरों को देने से सदैव बढ़ते हैं. जिस प्रकार हम किसी गरीब की थोड़ी सी मदद करते हैं तो मन तो अपार संतोष मिलता है, उसी तरह जब हम किसी को खुशी देते हैं तो निश्चित तौर पर वह खुशी दुगुनी होकर हमारे पास लौटती है. जीवन में सदा आजमाकर देखो.

अमरावती जिले के सफलतम भवन निर्माता,आदर्श पुत्र,दिलदार यार अजीत जैन को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें,यही कामना.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 26वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

पालकमंत्री साहब, अंबानगरी की इज्जत अब आपके हाथ है

अंबानगरी को सांस्कृतिक, संतों का आशिर्वाद, शिक्षा का आशिर्वाद मिला हुआ है. राष्ट्रसंत तुकड़ोजी के जिले में अंबानगरी में जिस तरह पैसे की लालच ने आज इंसान को अंधा कर दिया है,वह पैसे कमाने के लिए येन-केन-प्रकारेण मुंबई,दिल्ली की देहविक्री वाली संस्कृति को यहां लगाने पर और जिन पर इसे रोकने की जिम्मेदारी है, वह चंद सिक्कों में बिके रहने के कारण इस शहर की गरिमा खतरे में पड़ गई है. डैशिंग पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से ही जिले की जनता को इस नगरी की शान और गौरव को कायम रखने की अपेक्षा शहर की प्रबुद्ध जनता कर रही है. पालकमंत्रीजी ने पहल की है, यहां बडनेरा रोड पर पैंटालून में जिस तरह की हरकत करते हुए युवक-युवतियां पकड़ी गई, कई होटलों में भी ऐसा होने की जो खबर है, वह निश्चित ही चौकाने वाली और अंबानगरी के नाम और गुण दोनों को ही बर्बाद करने वाली है.

शहर की संस्कृति और सुंदरता को बरकरार रखने की जिम्मेदारी नागरिकों की भी है. हमारे बच्चों को हम क्या देना चाहते हैं, इस बारे में अभिभावकों को भी सजग रहना चाहिए. हर बात केवल पुलिस पर धकेलने से काम नहीं होगा. बच्चों पर ध्यान रखना, वह कहा जाते हैं, रात में देर से लौटते हैं तो वह कहां गए थे, इसकी जानकारी लेना पालकों का भी काम है. संस्कार अगर ठीक है तो निश्चित तौर पर ऐसी नौबत नहीं आती है. लेकिन दुर्भाग्यवश आज स्थिति बदल रही है. माता-पिता बच्चों को डाक्टर, इंजीनियर तथा बड़ा आदमी बनाने के लिए उसके संस्कारों पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं. पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी इसे गंभीरता से लिया है, यह संतोष की बात है लेकिन इस मामले में तत्काल पहल करने और शहर को मुंबई, दिल्ली तथा महानगरों की गंदगी से बचाने के लिए पुलिस प्रशासन को भी ईमानदारी और नैतिकता का परिचय देते हुए बिना किसी तरह के दवाब में आए ऐसे केन्द्रों पर कार्रवाई नहीं बल्कि उन्हें नष्ट करने का कार्य करना होगा.अमरावती शहर में बढ़ते अपराध, एमडी ड्रग्स, हत्या और अवैध धंधों से युवा पीढ़ी खतरे में आ गयी है. शंकर नगर रोड़ पर स्थित एरीया 91 रेस्टारेंट में पिछले रविवार को हुई फेक वेडिंग पार्टी का मुद्दा विधान परिषद सदस्य श्रीकांत भारतीय ने उपस्थित किया. उसके दूसरे ही दिन शनिवार को अमरावती दौरे पर आए पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकले ने विश्राम गृह में पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी और जिला ग्रामीण पलिस अधीक्षक के साथ समीक्षा बैठक लेकर उन्हें कड़े निर्देश दिए.पालकमंत्री ने पिछले दिनों प्रकाश में आई फेक वेडिंग पार्टी शहर में अन्य जगहों पर भी कही हो रही होगी, पालकमंत्री के रूप में दबंग हैं और राजस्व मंत्री के नाते राज्य सरकार में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं, ऐसे में उन्हें अंबानगरी की शान को चमकाने के लिए अवैध धंधों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देना चाहिए.

अक्षम्य लापरवाही बन रही है जानलेवा

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

बढ़ते शहरीकरण और काम की कमी तथा तनाव से परेशान व्यक्तियों द्वारा जिस तरह से जिंदगी से मोह का त्याग किया जा रहा है, वह चिंतनीय है. दुर्घटनाओं में ही बड़ी संख्या में युवाओं के साथ ही अन्यों की मौत हो रही है, मामूली बात को लेकर युवा वर्ग आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा रहा है. जिंदगी से मोह क्यों खत्म हो रहा है, इस बारे में चिंतन करने की जरूरत आन पड़ी है. किसानों की आत्महत्याएं, रास्तों पर लापरवाही से होती दुर्घटनाएं, आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति आखिर किस खुशहाल जिंदगी की परिचायक है.

यातायात नियमों के साथ ही स्वयं अनुशासन से ही दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि यातायात पुलिस,आरटीओ की लापरवाही के साथ ही लोगों द्वारा जिंदगी को गंभीरता से नहीं लेने के कारण धूम गति से भागने की प्रवृत्ति के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं. राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 6 पर तिवसा थाना क्षेत्र के तहत भारवाडी गांव के पास सोमवार को दोपहर 3.30 बजे के दौरान एक भीषण हादसा हो गया. जिसमे जालना के कठोरा निवासी दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.वहीं एक बच्चे समेत तीन लोग जख्मी हो गए. जिन्हें पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अमरावती और तलेगांव के अस्पताल में रवाना किया. इस हादसे में एक बच्चे का हाथ दुर्घटना में कट कर गिर गया. मृतकों में साहिल खा अहमद खा पठान और इमरान खा उजीन खा पठान शामिल हैं. दुर्घटना का कारण कई बार अत्याधिक गति भी रहती है. जालना के कठोरा बजाज गांव से दोपहिया पर कुछ लोग नागपुर में बाबा ताजोद्दीन का उर्स देखने निकले थे. अमरावती से आगे निकलने पर उन्हीं में से एक दोपहिया वाहन को अज्ञात पिकअप वाहन ने उडा दिया. दुर्घटना का शिकार बने दोपहिया सवार दंपति दोपहिया पर जा रहे थे. इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में एक बच्चे का हाथ कट कर घटनास्थल पर गिर पड़ा.

पुलिस ने खबर मिलते ही तत्काल घटनास्थल पहुंचकर घायलों को 108 नंबर की एम्बुलेंस से अमरावती के इर्विन अस्पताल में लाया. दुर्घटना में मृत दो लोग और घायल को जब एम्बुलेंस में अमरावती के जिला अस्पताल में लाया गया वहां घायलों को तत्काल ओपीडी ले जाने की व्यवस्था तक नहीं थी. वहीं मृतकों के रिश्तेदारों ने तत्काल इर्विन अस्पताल के पास खड़ी रहनेवाली निजी एम्बुलेंस बुलाकर दो मृतक और घायल को तत्काल शहर के निजी अस्पताल में ले गए. जहां दो घायलों को मृत घोषित किया गया और गंभीर जख्मी बच्चे पर उपचार किया जा रहा है.जिला अस्पताल की परिचारिकाओं की हड़ताल शुरू रहने से स्वास्थ्य सेवा पूरी तरह से लड़खड़ा गई है और लोगों को मरने के लिए विवश होना पड़ रहा है. दुर्घटनाओं को रोकने के साथ ही जनता की जान बचाने के लिए सरकार को परिचारिकाओं की हड़ताल को खत्म करने के लिए सरकार को पहल करनी चाहिए. लेकिन इस मामले में हड़ताल को पांच दिन बीतने के बाद भी जिस तरह की गंभीरता दिखाई देनी चाहिए, वैसी गंभीरता नहीं दिखाई दे रही है. दुर्घटनाओं में मौत से परिवार बिखर जाते हैं, ऐसे में वाहन चालकों को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि समय कीमती है लेकिन जीवन तो अनमोल है. ऐसे में समय से पहले निकलें और सही तरीके से गाड़ी चलाई जाए तो निश्चित तौर पर सुरक्षित मंजिल तक पहुंचना कठिन नहीं है. लेकिन हम घर से देर से निकलते हैं और गड़बड़ी के कारण ही अधिकांश दुर्घटनाएं होती हैं. जिंदगी से लोगों का घटता मोह निश्चित तौर परस्वस्थ्य तथा खुशहाल समाज का परिचायक नहीं हो सकता है. जिंदगी को खुशहाल बनाने का प्रयास सभी द्वारा किया जाना चाहिए.

रामेश्वरम में अमरावती के भक्तों ने सुनी शिवकथा

विदर्भ स्वाभिमान, 23 जुलाई

अमरावती-शहर में भोलेनाथ की भक्ति भक्तों पर छायी है. अपनी दो शिव महापुराण कथाओं के माध्यम से अंबानगरी के शिवभक्तों पर असर छोड़ने वाले उन्हेंल उज्जैन के कथा प्रवक्ता तथा घायल गौमाता की सेवा में जीवन अर्पित करने वाले पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज की शिव महापुराण कथा रामेश्वर में हुई, इसमें अमरावती के पंकज शर्मा, प्रवीण बुंदेले के साथ ही अन्य भक्तों ने शामिल होकर जहां भक्तीभाव की पूंजी कमाई, वहीं कथा सुनने के लिए रामेश्वर में भी हजारों लोगों कीभीड़ उमड़ पड़ी थी. पूज्य गुरूजी का 15 अगस्त को जन्मदिन भी अमरावती में मनाने के बारे में भक्तों की इच्छा बन रही है.

शहर में सावन के पावन महीने में भोलेनाथ की भक्ति में भक्त खो रहे हैं. शहर के प्राचीन गड़गड़ेश्वर महादेव, कोंडेश्वर महादेव, महेश्वर मंदिर, रविनगर के विश्वेश्वर मंदिर के साथ ही वल्लभ नगर के श्री नर्मदेश्वर भोलेनाथ मंदिर में सोमवार को जहां भक्त उमड़ रहे हैं, वहीं कहीं साबूदाना खिचड़ी तो कहीं भक्तों को प्रसाद का वितरण किया जा रहा है. वैसे तो हर दिन भक्तों की संख्या बढ़ रही है लेकिन सोमवार के दिन हर मंदिर में भक्तों की संख्या बढ़ रही है.

प्रेम,भाव भगवान को प्रिय- शिव गुरूजी

सैकड़ों घायल गौमाता का गोलोक धाम में इलाज करने के साथ ही इनकी सेवा और उनकी देख-रेख करने वाले शिव गुरू शर्मा के मुताबिक जीवन बड़े भाग्य से मिला है. इसमें सत्कार्य, सत्संग और अच्छा संग की त्रिवेणी जिसके पास है, उसका जीवन बेहतरीन तरीके से बीत जाता है और अंत समय भी बेहतरीन रहता है. लेकिन जो जीवनभर सत्संग, सत्कार्य में हांथ नहीं बंटाता, उसकी दौलत से न वह कभी खुश रहता है और न ही परिवार. प्रेम,भाव से ही भगवान को रिझाया जा सकताहै.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN 43881

कमलकिशोर मालानी अध्यक्ष, प्रवीण चांडक सचिव

भक्तिसागर सेवा समिति की कार्यकारिणी घोषित, नई कार्यकारिणी का किया गया अभिनंदन, सेवा का दायरा बढ़ाएंगे

विदर्भ स्वाभिमान, 23 जुलाई
अमरावती- शहर ही नहीं तो अनूठे धार्मिक आयोजनों के लिए सुख्यात भक्तिसागर सेवा समितिअमरावती की सभा आयोजन श्री रामदेवबाबा देव स्थान राजापेठ के प्राणग मे शाम 8 बजे हुई. इसमें समाजसेवी कमलकिशोर मालानी को अध्यक्ष तथा प्रवीण चांडक को सचिव चुना गया. दोनों की सराहना करते हुए सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.

आज आयोजित मीटिंग मे सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद पर कमलकिशोर मालाणी की नियुक्ति की गई तथा सचिव पद पर सचिव पद पर प्रवीण चांडक इनकी नियुक्ति की गई कोषाध्यक्ष पद पर किशोर गोयनका और सह कोषाध्यक्ष पद पर वीरेंद्र शर्मा प्रचार मंत्री श्याम शर्मा रक्तदान की नियुक्ति की गई उपाध्यक्ष अशोक जाजू , जेष्ठ मार्गदर्शक श्री देवेंद्रजी अग्रवाल उपाध्यक्ष पवन जाजोडिया ,सहसचिव सीतारामजी राठी, तथा कार्यकारणी सदयश्य,व सन्मानीय स्थान पर रामेश्वर गगढ ,गोपाल चांडक श्री नेवासा गोपाल राठी सायत, अमित मंत्री,डॉक्टर राजेंद्र करवा,हेमंत मालवीय,संजय अग्रवाल तलवेल वाले की नियुक्ति की गई.

यह संस्था गत कई वर्षो से धार्मिक संस्कृति ,संस्कार, और सनातन जन जागृति के आयोजन करते आया है आने दिनों मे भी इसी रूप के आयोजन करने का मानस अध्यक्ष और कार्यकारणी ने व्यक्त की है

हरदिलअजीज, मददगार व्यक्तित्व हैं श्रीकांत भालेराव

जन्मदिवस 23 जुलाई पर विशेष

जीवन में कुछ लोग अपनी मेहनत, लगन, स्वभाव के कारण कब दिलों में जगह बना लेते हैं, इसका पता नहीं चलता है, ऐसे ही लोगों में हैं हमारे बड़े भाई श्रीकांत भालेराव. मेहनत,समर्पण तथा बेहतरीन स्वभाव के कारण हजारों मित्र उन्होंने बनाए हैं. आदमी के जीवन में सबसे बड़ी अहमियत पैसे को है। लेकिन इसके साथ ही जीवन में कामयाबी के लिए उनके जैसे कुछ लोग सदैव प्रेरणा देने का काम करते हैं.

श्रीकांत भालेराव जहां मददगार व्यक्ति हैं, वहीं हर व्यक्ति को सहयोग करने तथा प्रोत्साहित करने में उनका जवाब नहीं है. हर इन्सान की कामयाबी में किसी का सहयोग होता है, मेरी कामयाबी में वे ऐसे ही व्यक्ति हैं. आज रोजाना सैकड़ों लोगों के साथ संपर्क आता है,उसमे के कुछ लोग ही जीवन का ऐसा हिस्सा बन जाते हैं, जिन्हें

कभी भलाया नहीं जा सकता है, ऐसे ही मित्रों में वे हैं.उनका कहना है कि बड़ा होना बड़ी बात नहीं बल्कि जीवन में संतोष होना बड़ी बात होती है. उनका स्वभाव इतना बेहतरीन है कि किसी की भी मदद को तत्पर रहते हैं. मेरे जैसे सैकड़ों लोग ऐसे होंगे, जिन्हें प्रेरणा देने और सहयोग के माध्यम से आगे बढ़ाने का कार्य उन्होंने किया है.

आज की स्वार्थ से भरी दुनिया में जब अपने भी मुसीबत में दूर हो जाते हैं, ऐसे में कुछ पराए अपने स्वभाव,मददगार व्यक्तित्व से कब अपने हो जाते हैं, इसका पता नहीं चलता है. ऐसे ही लोगों में श्रीकांत भाऊ भी हैं. जीवन संघर्ष और चुनौतियों का नाम है, रोज नई-नई चुनौतियां आती हैं, इसका रोज सामना करना पड़ता है? तब भगवान याद आते हैं. प्रभु भले नहीं आते हैं लेकिन वे अपने रूप में किसी को भेजकर मदद जरूर करते हैं, इसका अनुभव श्रीकांत भालेराव से मुलाकात के बाद हुआ.मेरे जीवन में भी उनके सहयोग और प्रोत्साहन को कभी भूल नहीं सकता. उनके जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. सहयोग करने वालों में श्रीकांतजी भालेराव, रविंद्र इंगोले, तेजराव वाटाणे, सुरेश जैन,अतुल मेहता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. श्रीकांत भालेराव के जन्मदिन पर सभी की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

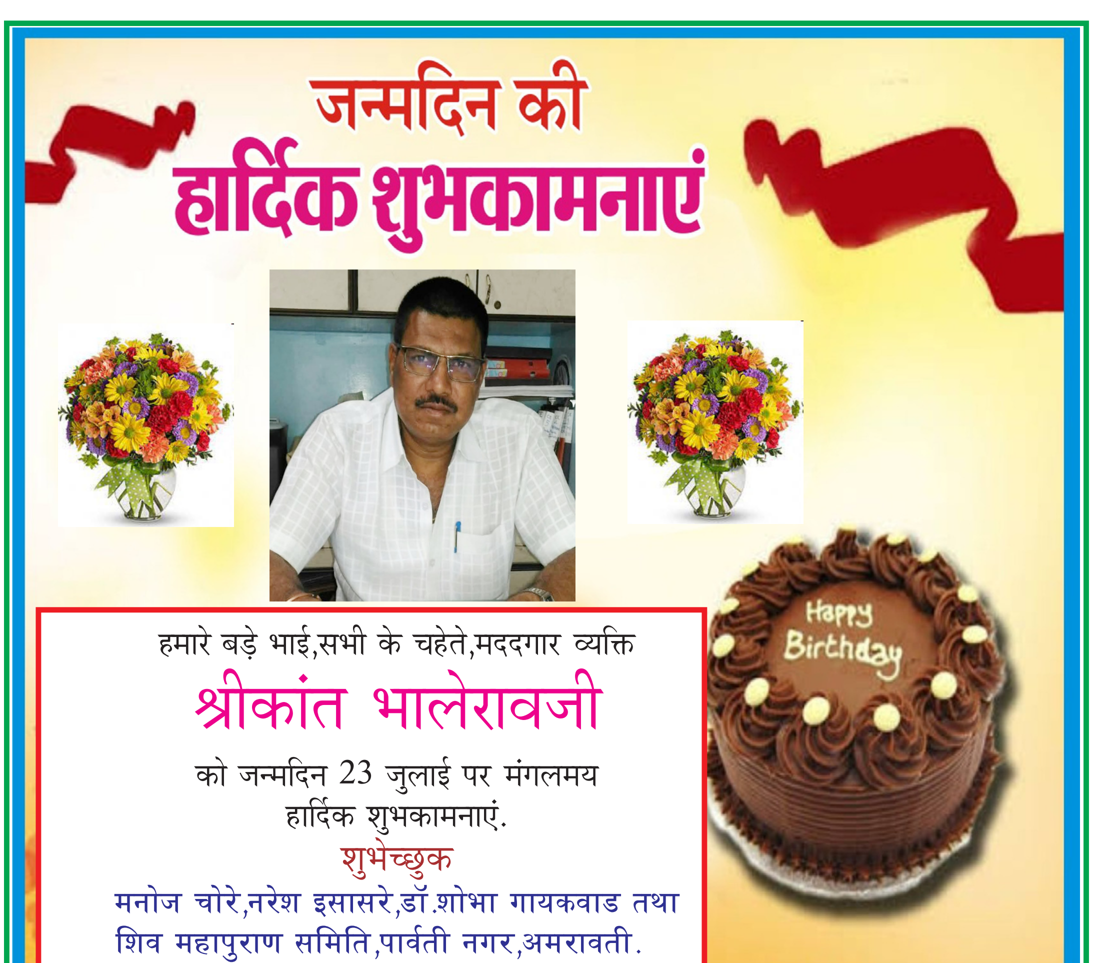

जन्मदिन पर विशेष आत्मीयता तथा अपनेपन से ओतप्रोत व्यक्तित्व हैं विश्वनाथराव खारोडे

ज़ीवन में आजकल नैतिकता का पतन हर क्षेत्र में हो रहा है. लेकिन कुछ ही लोग आज भी अपने आदर्श सिद्धांत पर ही जीते हैं. ऐसे ही लोगों में हैं सभी के चहेते विश्वनाथराव खारोडे. उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. समय के साथ बदलाव होता है. लेकिन जीवन में सिद्धांतों पर जीने वाले लोगों की संख्या में कमी आ रही है. लेकिन आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो जीवन में नीतिमत्ता, विश्वास और सिद्धांतों को अत्याधिक महत्व देते हैं. इसी तरह के लोगों में शामिल हैं कांग्रेस के राष्ट्रीय विचारों से प्रेरित विश्वनाथराव खारोडे. सेवाभावना जहां उनमें कूट-कूटकर भरी है, वहीं उनका स्पष्ट मानना है कि जीवन में आदर्श आचार-विचार और संस्कारों का अत्याधिक महत्व होता है. जीवन में कई लोग अपने स्वभाव के चलते किसी को भी अपने दिल में और उसके दिल में जगह बना लेते हैं.विनम्रता, सादगी के साथ ही युवाओं के लिए वे जहां प्रेरणास्थान हैं, वहीं बच्चों पर भी वही आदर्श संस्कार डाला है. पुत्र अनिल खारोडे रेलवे में जहां सेवारत हैं, वहीं उच्च शिक्षित परिवार सामाजिकि कामों में भी सदैव अग्रणी रहता है. पिछले बीस साल से अधिक समय से उनसे परिचय है, उनकी अच्छाईयां, उनके सत्य और अहिंसा के साथ ही राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत विचार युवाओं के लिए प्रेरणा देने का काम करते हैं. वे कहते हैं कि भारत महान राष्ट्र है. हम सभी भाग्यशाली हैं, जिन्हें भारत में जन्म मिला है.बेटे अनिल खारोडे आरपीएफ में पीएसआई पद से निवृत्त हुए, वे भी पिता की परछाई हैं और सदैव मानवता के काम में समर्पित रहते हैं.

राष्ट्रीयता की भावना को सर्वाधिक महत्व जहां देते हैं, वहीं उनका स्पष्ट मानना है कि राष्ट्र से बड़ा कोई नहीं हो सकता है. राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो हम सुरक्षित है. आज दुनिया के कई देशों में बोलने की आजादी नहीं है. लेकिन हमारे संविधान ने हमे हर अधिकार दिया है. आदर्श विचारों पर चलने वाले और युवाओं को भी प्रोत्साहित करने वाले विश्वनाथराव खारोडे का जीवन आदर्श विचारों से ओतप्रोत रहा है. इसकी झलक बेटे अनिल खारोडे, बहू तथा परिवार में भी दिखाई देती है. ख़ुशहाल परिवार के साथ ही अनिल खारोडे के विनम्रता,यारों के यार के रूप में उन्हें भीड़ में भी अलग महत्व देती है. बाबूजी विश्वनाथराव खारोडे का 30 जुलाई को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में हमारी हार्दिक शुभकामनाएं.अच्छी सोच के साथ जब हम अच्छा करने का प्रयास करते हैं तो हमारा भी अच्छा होता है. उनका कहना है कि जीवन में कामयाब वही होते हैं, जो कोशिश करते हैं. कोशिश बंद नहीं होनी चाहिए, यह सदैव जारी रहनी चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

उत्तम आचार्य और सच्चिश्य के लक्षण

गतांक से जारी-न्याय मार्ग से चलनेवाले धर्म-अधर्म के बारे में अच्छी जानकारी रखनेवाले पुण्य, सत्कर्म तपोनिष्ठ वाले,अति शांत हृदय रखनेवाले मन में अहंकार ममकार दंभ दर्प आदि दुर्गुणों को कुचलने वाले प्रारब्ध संचित घोर संसार दावानल से मुक्त रहनेवाले अवनि में निंदा-स्तुति मान-अपमान से सर नहीं झुकानेवाले समस्त भूतों के प्रति दया रखनेवाले सुस्वाभावी को रखनेवाले परोपकार गुण रखनेवाले ही महान गुरु हैं. ऐसे आचार्यों के अनुकूल शिष्य कौन हैं प्रश्न करने पर तुम सुनो! विश्वास ,भक्ति, विनय ,शांत स्वभाव आदि कमनीय गुणवाले सकल मंत्रांतर ,साधनांतर में पराण्मुख रहनेवाले सर्वभार आचार्य के चरणों पर रख कर निश्चाल मन से रहनेवाले सदा पापभीति रखनेवाले गुरु को ही हरि समझनेवाले माया को छोड़ कर शुश्रुषा करनेवाले शिष्य धरती पर अच्छे शिष्य माने जाने वाले हैं.किसी भी मुमुक्षु को अज्ञान रहित सांसारिक बीज से मुक्त होना चाहिए. उसके नष्ट होने तक भी अहंकार ममकार आदि भाव दूर नहीं होते हैं.उन्हें छोड़ देने पर भी देहाभिमान हटता नहीं है. उसके हट जाने पर भी स्वस्वरूप ज्ञान पैदा नहीं होता है. उसके पैदा होने पर भी ऐश्र्वर्य- भोगापेक्षा मिटती नहीं है. उसके मिट जाने पर भी अर्थ कामादि राग- व्देष हटते नहीं हैं. उनके हट जाने पर भी पारतंत्र्य प्रकाश प्राप्त नहीं होता है. उसकी प्राप्ति

होने पर भी श्री वैष्णत्व उसे प्राप्त नहीं होता है. उसे प्राप्त करने पर ही सामित्वत्व प्राप्त होता है.सात्विक परिग्रहण प्राप्त करने पर भी भागवत परिग्रहण नहीं कर पाता है.भागवत परिग्रहण को प्राप्त करने पर भी अनन्यर्ह प्रयोजक नहीं होता है. अनन्यर्ह प्रयोजक बनने पर भी अनन्यर्ह शेषभूत नहीं बनेगा . अनन्यर्ह शेषभूत बनने के बावजूद अनन्यर्ह शरण्य नहीं बनेगा. अनन्यहर्य शरण्य होने पर भी अधिकार पुरुष नहीं बनेगा. अधिकारी पुरुष बनने के बाद ही अष्टाक्षरी का अधिकारी बनेगा. ऐसे सच्चिश्यों को आचार्यगण उपदेश

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-26, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

देकर रक्षा करते हैं यह रीति ऐसी है कि श्रीवैष्णवाचार चिह्नानुसरण के बारे में उपदेश देकर उसमें करुणा गुण को बढ़ाकर अष्टाक्षरी मंत्र से बढ़कर और कोई दूसरा मंत्र नहीं बताकर नारायण ही सबसे महोन्नत है बताकर नारायण ही सबसे महोन्नत हैं उनसे बढ़ कर कोई ओर देव नहीं है. एसा बताकर निष्ठा के साथ व्दय चरम प्रपत्ति निष्ठाओं के बारे में बताकर हरि का ध्यान करने की रीति के बारे में बताकर उस पर विश्र्वास करने के लिए भरन्यास सुख उसे प्राप्त हो ऐसी व्यवस्था आचार्यगण करते हैं. ऐसे श्रेष्ठ आचार्य के आश्रय में कामादि भावों को त्याग करके मन से अहंकार ममतादि को निकाल कर विजन स्थलों में निमल गुणों के साथ मित भोजन करते मितनिद्रा करते मित संभाषण करते आचार्य के प्रति भक्ति यति-शांत गुण रखते अपरिग्रहण करके नारायण मूर्ति पर सदा ध्यान रखने के विवेक गुण का अभ्यास करने से मन सदा हरि पर ही केंद्रित रहेगा . ऐसे वैष्णव को ही विष्णु साइज्य प्राप्त होगा . वे ही धरती पर श्रेष्ठ वैष्णव कहलाते हैं. वेंकटेश्वर नामक मुझे अत्यंत उत्साह से विविध सेवा- परिचर्या करते हुए मुझ पर विश्वास करना फिर आचार्य की सेवा करना निर्मल श्रध्दावान धर्म ही वैष्णव धर्म है. हे भूदेवी! इससे अलग वर गुरुओं से अधिक वस्त्र भूषण अत्यधिक प्रीति से समर्पित करनेवाले आसक्ति से मेरी आराधना बड़े पैमाने पर करनेवाल,देशिक श्रीपाद तीर्थ प्रसाद उन्नत है समझ कर ग्रहण करनेवाले दृढ़ संकल्प से शेषत्व और पारतंत्र्य को जीवात्मा के धर्म के रूप में माननेवाले राजस-तामस व्दयों को कुचलकर रखने वाले सदा सात्विक निष्ठ होकर रहनेवाले शांत,भूत दया रखनेवाले सत्य-वाक्य बोलनेवाले ही सच्चे रूप में वैष्णव जन हैं. वराह स्वामी के इस रूप में बताने पर सुनकर भूदेवी ने अत्यंत प्रसन्न होकर ज्ञान, भक्ति वैराग्य रखनेवालों को किस प्रकार के कर्म करना चाहिए बताने के लिए कहा. तब वराह स्वामी ने कहा.तिरूपति क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखत हुए विश्वभर से रोज लाखों भक्त यहां आते हैं, यह तीर्थक्षेत्र का महात्म्य है.

शेष आगे के अंक में

सफल व्यवसायी,सेवाभावी तथा दिलदार मित्र अजीत जैन

धन श्रेष्ठ हो सकता है लेकिन यह सर्वश्रेष्ठ नहीं हो सकता है. रिश्तों, मित्रों से ही खुशी मिलती है, केवल धन से नहीं, इस आशय का स्पष्ट विचार रखने वाले हमारे प्रिय मित्र अजीत जैन का 30 जुलाई को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में सदा मस्त, मेहनत में लगा और व्यस्त रहने वाले तथा कम उम्र से ही सफलता के लिए संघर्ष करने वाले और मंजिल हासिल करने वाले यारों में अजीत जैन हैं. वे किसी काम को छोटा नहीं मानते हैं. कामयाबी में पत्नी प्रिया जैन के साथ बेटी भूमि तथा बेटे अस्मीत जैन का साथ, माता-पिता का आशिर्वाद सदा रहा है.परिवार की खुशी ही तरक्की की मार्गतय करने की बात वे कहते हैं.अजीत जैन आज राज्यस्तर पर सफल बिल्डर के रूप में सुख्यात हैं. उनकी कामयाबी जहां सराहनीय है, वहीं दूसरी ओर मानवता की सेवा को लेकर उनकी सोच भी बेहतरीन हैं. माता-पिता को अपार रूप से चाहने वाले अजीतभैया जैन जहां यारों के यार हैं, वहीं दूसरी ओर उनके सादगी वाले स्वभाव के कारण हजारों की संख्या में मित्र परिवार तैयार किया है. किसी भी क्षेत्र में समर्पण से ही कामयाबी मिलने की बात वे कहते हैं. वे कहते हैं कि शार्टकट में हासिल सफलता स्थायी नहीं हो सकती है.

उनका मानना है कि मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं है. दयाभावना, क्षमा भावना रखने वाला व्यक्ति ही जीवन में आगे रहता है. सादगी, सम्पन्नता, विनम्रता जैसी खूबियां उन्हें प्रभावित करती हैं. स्वयं भी राज्यस्तर

विदर्भ स्वाभिमान

के भवन निर्माता बनन तथा राज्य के कई शहरों में उनके प्रकल्प रहने के बाद भी उनकी सादगी और मित्रों के प्रति स्वभाव में कोई अंतर नहीं आया है. बचपन से ही संवेदनशील रहने के साथ ही यारों पर मर मिटने वाले व्यक्ति हैं. माता-पिता के अपनेपन के संस्कार को सदैव याद रखते हैं. आज जिले में ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात व्यवसायी होने के बाद भी उनकी सादगी, उनका अपनापन किसी को भी प्रसन्न कर देता है.उनका मानना है कि आप किसी को सम्मान देंगे तो निश्चित ही आपको भी सम्मान मिलेगा. अजीतभाई के मुताबिक हर व्यक्ति का अपना महत्व और अपनी खूबी होती है. इसलिए किसी को भी अपने से कम नहीं आंकना चाहिए.वे रिश्तों को निभाने के मामले में भी रहते हैं.यही कारण है कि न केवल अमरावती बल्कि उनका बड़ा मित्र परिवार है.व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा में भी उनका समुचित योगदान रहता है.अजीतभाई का कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी ओर से जितना संभव हो, मानवता की सेवा करनी चाहिए. सेवा केवल पैसे से ही नहीं होती है बल्कि किसी जरूरतमंद को थोड़ी सी मदद प्रदान

कर उसके चेहरे पर खुशियां लाकर भी हम सेवा कर सकते हैं. मानव सेवा,राष्ट्र सेवा की जरूरत जताते हैं और कहते हैं कि यह जिस दिन हर भारतीय में हो जाएगा, भारत उसी दिन विश्व महागुरू बनने की क्षमता रखता है. जरूरत है एकता के साथ आगे बढ़ने की.उन्हें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान,अम.

रक्तदान कर सैकड़ों ने दी बिट्टूभैया को शुभकामनाएं

जन्मदिन पर विशेष अभी तक 5 हजार बोतल रक्त लगा है गरीब,जरूरतमंद मरीजों के काम,उमड़ा मित्र परिवार

विदर्भ स्वाभिमान,23 जुलाई

अमरावती- शहर के सुख्यात व्यवसायी और होटल ईगल इन के प्रबंध संचालक रवीन्द्रसिंह उर्फ बिट्टूभैया सलूजा के जन्मदिन पर आयोजित कई वर्षों से रक्तदान में अभी तक 5000 बोतल रक्त जमा हुआ और गरीबों तथा जरूरतमंदों के काम में आया. इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी कमाई मानते हैं. वे बताते हैं कि व्यवसाय के साथ जरूरतमंदों की सेवा का संस्कार उन्हें बचपन से माता पिता से मिला है. इसे जीवन में सदैव उतारने का प्रयास करते हैं. हजारों की संख्या में चहेतों ने उमडकर इस साल भी जन्मदिन पर रक्तदान में रक्तदान कर भैया को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी. उन्होंने भी लोगों से मिल रहे अपार प्रेम के लिए धन्यवाद दिया. साथ ही सदैव यह प्रेम इसी तरह कायम रहने का विश्वास जताया.

सुबह से लेकर रात 12 बजे तक हजारों ने बिट्टूभैया को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. उनके स्वस्थ, सफल और मस्त जीवन की कामना की. इसमें विधायक संजय खोड़के,सुलभा खोड़के के साथ ही हर दल के नेता, पूर्व नगरसेवक, विभिन्न विभागों के अधिकारी, सफल मान्यवरों का समावेश है. जीवन में इसे सबसे बड़ी कामयाबी बताते हुए संवेदनशील तथा भावुक स्वभाव वाले बिट्टूभैया का कहना है कि संघर्ष से सफलता तक अमरावती ने अपार प्रेम दिया है. सभी का यही प्रेम उन्हें सदैव अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है. किसी ने हाथ मिलाकर तो अधिकांश ने गले लगकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.सामाजिक कामों, दिव्यांगों के सेवा कार्य में हाथ बंटाते हैं लेकिन यह

किसी को बताते नहीं है. बिट्टूभैया आज न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ में जानी-मानी सफल हस्ती हैं लेकिन उनका याराना रवैया सभी को उनका कायल बना देता है. बातचीत की सादगी उनके बड़प्पन का पता नहीं लगने देती है. रक्तदान के माध्यम से अभी तक जन्मदिन पर हजारों बोतल रक्त जमा कर गरीबों और जरूरतमंद मरीजों को देने का पवित्र कार्य उन्होंने किया है. इस साल भी 175बोतल से अधिक ने रक्तदान कर भैया को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी. भैया ने सभी के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सदा यही प्रेम बरकरार रहने की बात कही.ज़ीवनभर लोगों की सेवा करने के लिए तत्पर रहने का भरोसा भी दिलाया.

अनूठे धार्मिक आयोजनों के लिए सुख्यात भक्तिसागर सेवा समिति के अध्यक्ष बनने पर हमारे आदरणीय भाईसाहब, सभी के चहेते और प्रेरणा देने वाले

कमलकिशोर मालानीजी

का हार्दिक अभिनंदन और शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक

कमलकिशोर मालानी मित्र परिवार, युवा स्वाभिमान परिवार तथा विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मेहनती को प्रोत्साहित करें,सफलता निश्चित है

जीवन में जो लोग दिल से कोई भी काम करते हैं तो उन्हें उसमें आनंद आता है. जो लोग बड़े पद पर रहकर सभी का सम्मान करते हैं और योग्यता को समझते हुए काम करते और करवाते हैं, ऐसे लोगों के जीवन में सदैव संभावनाएं आगे बढ़ने की होती हैं. लेकिन जो लोग दूसरों की मेहनत की कदर नहीं करते हैं और केवल अपने नाम का डंका बजाते हैं, ऐसे लोग कुछ समय के लिए सेटिंग कर आगे बढ़ जाते हैं लेकिन जब गिरते हैं तो उठने के लायक नहीं रहते, जमीन पर रहने वालों को गिरने का खतरा नहीं रहता है.

आदर्श पत्रकारिता के साथ विदर्भ स्वाभिमान के १६वें वर्ष में पदार्पण तथा सेवाभावी, प्रेरणादायी व्यक्तीत्व विश्वनाथराव खारोडे को जन्मदिन पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

अनिल खारोडे एवं परिवार,विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा असंख्य मित्र परिवार,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान-मुक्तांगण ने किया डॉ.अजय बोंडे का सत्कार

विदर्भ स्वाभिमान, 23 जुलाई

अमरावती - सामाजिक एकता के साथ ही विभिन्न राज्य स्तर के समाचार पत्र समूह सकाल समूह द्वारा बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में नागपुर में सम्मानित किए गए हमारे प्रिय मित्र प्रा.डा. अजय बोंडे का विदर्भ स्वाभिमान तथा वननेस मक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था द्वारा रविवार को विदर्भ स्वाभिमान के छाया कॉलोनी स्थिति मुख्यालय में सत्कार किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता अमित बनारसे ने की. इस मौके पर संपादक सुभाष दुबे, व्यवसायी गजानन बनारसे, अमित बनारसे, राहुल इंगोले तथा अन्य उपस्थित थे. अपने सत्कार का श्रेय अमरावती शहर तथा मित्रों के सहयोग को देते हुए प्रा.डॉ.अजय बोंडे ने कहा कि बचपन से संघर्षमय जीवन के बाद मेहनत से ही कामयाबी मिलने के बाद जीवन सामाजिक सेवा,गरीबों की मदद तथा मेधावी गरीब छात्रों को प्रोत्साहित करने का सदैव प्रयास करते हैं.

उनके मुताबिक भविष्य में गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग के साथ ही स्पर्धा परीक्षा के मार्गदर्शन के मामले में अमित बनारसे के कामों को सहयोग देने का उनका विचार है. साथ ही सामाजिक,शैक्षिक सेवा के साथ ही खेल को वे प्राथमिकता देते हैं. खेल को जीवन का अंग बताया. इस मौके पर बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

विकास को समर्पित नेता हैं विधायक प्रताप अडसड

करोड़ोंके विकास कामों से विधानसभा क्षेत्रवासी प्रसन्न,जारी है काम

विदर्भ स्वाभिमान, 23 जुलाई

धामणगांव रेलवे- जनता के लिए पूरी तरह से समर्पित तथा हर गरीब,आदिवासी,दलित के सुख-दुख के साथी के रूप में स्थान रखने वाले विधायक प्रतापदादा अडसड तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं. विधानसभा क्षेत्र में जहां वे विकास की गंगा बहा रहे हैं, वहीं गरीबों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में क्षेत्र को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं. धामणगांव अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा से ऐसे किडनी से त्रस्त मरीजों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले अमरावती या नागपुर जाना पड़ता था.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में दादा ने बताया कि जीवन में जो भी कामयाबी है, जनता के विश्वास और

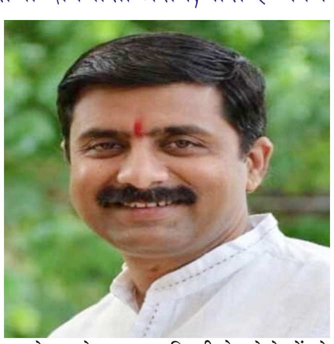

अपनेपन के कारण मिली है, ऐसे में वे जनता की समर्पित भाव से सेवा करने का सदैव इरादा रखते हैं.इसमें पिता अरूणभाऊ अडसड़ का मार्गदर्शन और अर्चना रोठे अक्का दीदी सहित सभी का साथ मिल रहा है. इससे विकास कामों को गति देने तथा क्षेत्रवासियों को तत्काल राहत देने में मदद मिल रही है.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२

चिखलदरा है सचमुच नंदनवन

चिखलदरा- अमरावती शहर के छाया कॉलोनी स्थित फैमिली एन्ड फ्रैन्डस ग्रुप द्वारा आयोजित चिखलदरा ट्रिप के दौरान सभी के लिए यादगार रहा, इस दौरान पिहू से लेकर महिलाओं तथा बच्चों ने भी जमकर आनंद लिया. इसके शानदार और खुशियों वाले कुछ पल कैमरे में विदर्भ स्वाभिमान की श्वेता दुबे तथा आशीष ठोंबरे ने कैद किया गया है. यह निश्चित ही अवर्णनीय ट्रिप रही. शीघ्र ही इसी तरह का प्रयास हो सकता है. चिखलदरा को सचमुच विदर्भ का नंदनवन कहा जाता है. यहां प्राकृतिक सुंदरता, पवन चक्की के साथ ही पहाड़ों और कोहरे का नजारा नई उर्जा देता है.

आदर्श पत्रकारिता के साथ विदर्भ स्वाभिमान के १६वें वर्ष में पदार्पण तथा सेवाभावी, दिलदार यार

अजीतभैया जैन

को जन्मदिन 30 जुलाई पर हमारी हार्दिक

शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

अजीत जैन मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती, अकोला, हिंगोली

थम नहीं रहा भाषा विवाद

मुंबई- महाराष्ट्र में भाषा पर छिड़ी तकरार थमने का नाम नहीं ले रही है- राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बाद अब राकांपा नेता सुप्रिया सुले ने भी मराठी बनाम हिंदी भाषा पर फडणवीस सरकार को घेरना शुरू कर दिया है.सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम फडणवीस किसी के दबाव में हिंदी को मराठी से ऊपर रख रहे हैं. ऐसा महाराष्ट्र के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ.शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान सुप्रिया सुले ने कहा-मैं देवेंद्र जी के लिए चिंतित हूं.आखिर कौन उन पर दबाव बना रहा है? वो किसके दबाव में यह सबकुछ कर रहे हैं? यह इतिहास में पहली बार हुआ है कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री हिंदी को मराठी से ऊपर रख रहा है.

गुरूवार 24 से 30 जुलाई 2025

मेष-यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-स्वास्थ्य संबंधी समस्या परेशान कर सकती है. स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अधिक दौड़धूप से बचने का प्रयास करें. वाहन संभालकर चलाएं.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-नाहक किसी के साथ विवाद से बचें . वाहनादि के साथ भाग्य इस सप्ताह साथ देगा. मेहमानों का आगमन होकर घर में खुशी का माहौल रहेगा. अपने काम पर विशेष ध्यान देना आपके लिए बेहतरीन रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

उत्तर प्रदेश में कानून का राज,गुंडों पर शामत,विकास में भी आगे है

समर्पित योगी आदित्यनाथ हैं देश के बेस्ट मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ भारतीय राजनीति में एक प्रमख चेहरा बन चुके है. राष्ट्र धर्म को महत्व के साथ ही प्रदेश के सर्वांगीण विकास, गुंडों ,मवालियों को कर्दनकाल बने हैं.उन्हें भावी पीएम के रूप में देखा जा रहा है.

योगी आदित्यनाथ भारतीय राजनीति में एक प्रमुख चेहरा बन चुके हैं. उन्होंने अपने जीवन में हमेशा सादगी, निष्ठा और अनुशासन को प्राथमिकता दी है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था को मज़बूत किया और कई कठोर फैसले लिए. उनका दृढ़ नेतृत्व समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करता है. उनका सन्यासियों जैसा जीवन और जनता के बीच सहज संवाद लोगों को प्रेरित करता है.सनातन धर्म के प्रति प्रेम उन्हें भावी प्रधानमंत्री के रूप में देखने लोगों को विवश करता है.

भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों के बीच योगी जी को भविष्य का प्रधानमंत्री मानने वाले बहुत हैं. उनका नेतृत्व युवा पीढ़ी तक राष्ट्रवादी विचारधारा और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को पहुंचाता है. वे कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस के साथ फैसले लेते हैं, जिससे उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है. उनके समर्थक मानते हैं कि यदि वे प्रधानमंत्री बनते हैं तो देश विकास के नए पथ पर अग्रसर होगा.

योगी आदित्यनाथ की नीतियां आम जनता के हित में केंद्रित रही हैं. उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान महिलाओं की सुरक्षा, किसानों की समस्याओं और युवाओं की बेरोजगारी पर विशेष ध्यान दिया है. यही वजह है कि जनता में उनके प्रति आस्था और विश्वास बढ़ा है. उनकी छवि एक ईमानदार और संघर्षशील नेता के रूप में उभरकर सामने आई है.राष्ट्र को खेल समझने वालों को कड़ा संदेश देने तथा ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई उनकी खूबी है. अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करने वाले करोड़ों उनके विकास के विजन और प्रयास को जानते हैं.

योगीजी का प्रशासनिक अनुभव बहुत समृद्ध है. वह गोरखपुर क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं और उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और जटिल राज्य का शासन भी सफलतापूर्वक चला चुके हैं. उनकी नीति बनाने की क्षमता और निर्णय लेने की गति देश के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है. उनके अनुशासन और सख़्ती के कारण अपराधियों में भय और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है.

विकास के क्षेत्र में भी योगी सरकार ने उल्लेखनीय काम किया है. सड़क, बिजली, शिक्षा और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में सुधार देखने को मिला है. गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई गई हैं, जिनसे सीधे तौर पर जनता को फायदा पहुँचा है. ऐसे में आम लोगों की अपेक्षाएँ उनसे जुड़ती चली जा रही हैं.कुछ दिनों पहले फेसबुक पर कराए सर्वे में देशवासियों ने उन्हें बेस्ट मुख्यमंत्री के रूप में भी वोटिंग की. जबकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को बेहतरीन कहा. ममता बैनर्जी सहित अन्य इसमें शामिल थे.

हिंदुत्व के मुद्दे पर भी योगी आदित्यनाथ खुलकर अपने विचार रखते हैं. उन्होंने धार्मिक आस्थाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए समाज को एकजुट रखने की कोशिश की है. सांस्कृतिक उत्सवों और मंदिरों के विकास के लिए उन्होंने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं. इसका असर देशभर के धार्मिक मतदाताओं पर पड़ा है.उनके समर्थकों का मानना है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित होंगे. वे भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और अपराध के खिलाफ लड़ाई को और तेज करेंगे. योगीजी के नेतृत्व में राष्ट्रवादी विचारधारा और भारतीयता को बल मिलेगा, जिससे देश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत बनकर उभरेगा. युवाओं को भरोसा है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे. अंत में, सोशल मीडिया और वास्तविक जीवन दोनों में योगी जी के समर्थकों की संख्या लगातार बढ़ रही है. उनकी सशक्त और स्पष्ट छवि लोगों को आकर्षित करती है. अगर आप भी यह चाहते हैं कि भविष्य में योगी आदित्यनाथ को देश का प्रधानमंत्री बनाया जाए, तो अपने विचार और समर्थन जरूर दर्ज कराएं, जिससे ये संदेश और आगे तक पहुंचे तथा एक मज़बूत भारत के सपने को साकार किया जा सके.भारत ही नहीं नेपाल में बड़ी संख्या में उनके चाहने वाले हैं. दबंगई के साथ राज्य का नेतृत्व करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बेहतरीन कार्यकाल के लिए विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

सर्वेशकुमार दुबे, प्रतापगढ़
उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

श्री बालाजी कॅटरर्स
आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.
भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.
द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

दुग्धपूर्णा
हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उतरली काया
तृप्तीची ही माया
खरोच ती
पुरूषोत्तम पाटील
तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक, अमरावती

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

ज़ीवन में अगर स्पर्धा करनी है तो किसी के बड़े बंगले, साड़ी, कार से नहीं करते हुए किसी ऐसे गरीब भक्त से करना, जिस पर प्रभु की कृपा इतनी है कि गरीबी में भी दिल खोलकर हंसता है, सुबह शाम की सोय करने के लिए काम में लग जाता है लेकिन मंदिर में जाता है तो प्रभु से धन,सम्पन्नता,बंगला नहीं बल्कि आत्मिक भक्ति, मन में संतोष और प्रभु द्वारा दी गई वस्तुओं के लिए उनके प्रति कृतज्ञता जताता है. काम को सही करने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि सही काम ही किया जाए. सही काम करने के बाद मन में किसी तरह का बोझ कभी नहीं रहता है. सभी जीवन में इसे ही आजमाकर देखें.- सुभाषचंद्र जे. दुबे,संपादक,विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरूवार 24 से 30 ज़ुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 08 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षो से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

दूसरे का झूठ पसंद नहीं, स्वयं दिनभर बोलते हैं

जीवन में जो लोग स्वाभिमानी होते हैं लेकिन अहंकारी नहीं होते हैं, ऐसे लोग हर काम समर्पित और दिल से करतेहैं. उसका परिणाम भी बेहतरीन होता है. लेकिन दूसरों से समर्पित रहकर काम करने की उम्मीद करने वाले ही कभी समर्पित नहीं होते हैं, ऐसे लोगों की कदर नहीं करते हैं तो समर्पित हतोत्साहित होता है. समर्पित लोगों को सदैव प्रोत्साहित करने वाले ही आगे बढ़ते हैं.

सुभाषचंद्र दुबे, संपादक विदर्भ स्वाभिमान 9423426199

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com